GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0641**

Classification:

Original File No: 17 - Ea

Title

Mayurbhanj Area (J.M.B)

Volume:

Running **from year: 1961** **till year: 1964**

Content:

- Director joint Mission Board getting reports from pastors of the Areas.

17 Ea

22

NAG'S

FLAT FILE

EXTRA THICK

1961 - 64

File No. 17 Ea

Name Mayurbhanj area

Subject

Serial Nos. to

From to

Year 19

22

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन वोर्ड

गांव Rangamatia पोस्ट आफिस Rangamatia

जिला Mayurbhanj प्रान्त Orissa.

सेवक का नाम C. H. Samad pastor

सन १९ 64 के May महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ बोड़सोल शादी घर से लौटे।
२ उपदेश तैयार किया।
३ रंगामटिया में गिरजा किया।
४ - पोस्ट मास्टर को बचन सिखाने गया था।
५ - मिरगीलपहाड़ वाले शादी के लिये आये और एक जोड़ी का शादी हुआ।
६ - जसीपुर दूर में निकले, ३ रोज दूहाहापन वालों को सिखाया।
७ दूहाहापन आया हुआ।
८ " " "
९ " " "
१० जसीपुर प्रभुभोज गिरजा हुआ।
११ बदामपहाड़ में प्रभुभोज गिरजा हुआ।
१२ कुल्हीआंगा पहुँचे।
१३ दूहाहापन सिखाना कराया।
१४ " " " "
१५ " " " "
१६ " " " "
१७ कुल्हीअंगा में ३ प्राणी का दूहाहापन हुआ।
१८ कुलडीहा में प्रभुभोज गिरजा हुआ।
१९ - कुलडीहा से रायरंगपुर गये।
२० - रायरंगपुर से बारीपादा रंगामटिया पहुँचे।
२१ - सुरेन्द्रनाथ सिंग एक संसार भाई के घर गये थे उनको बचन सुनाये।
२२ - पोस्टमास्टर के बचन सिखाने गये थे।
२३ - घर में खाड़ी किया, उपदेश तैयार किया।
२४ - रंगामटिया में गिरजा किया।
२५ रंगामटिया अस्पताल भाई बहनों के घर घूमने गये थे।
२६ - घर में सैकिल मरामत किया।
२७ - जसीपुर के लिये रवाना दूहाहापन कराने के लिये।
२८ - दूहापन आया हुआ।
२९ " " " " "
३० " " " " "
३१ तीन प्राणी का दूहाहापन हुआ। और प्रभुभोज गिरजा भी हुआ।

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :— खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार ··· ··· ···

२रा ,, ··· ···

३रा ,, ··· ···

४था ,, ··· ···

५वां ,, ··· ···

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ··· ··· धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ··· ··· ··· ··· ता: को ··· ··· ··· रु: ··· ··· ··· न: पै:

··· ··· ··· महीने का तलब और ··· ··· ··· रु: ··· ··· ··· न पै:

टी० ए० और ··· ··· ··· रु ··· ··· ··· न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने .... रु. .... नः पैः ....

के पास .... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: 10/6/64

सही A Samad

Rev. C. H. Samad.
G. E. L. Church, Rangamatia,
P. O. RANGAMATIA,
Dist. Mayurbhanj, (Orissa).

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Rangamatia पोस्ट आफिस Rangamatia

जिला Mayurbhanj प्रान्त Orissa.

सेवक का नाम C.H. Samad pastor

सन १९64 के April महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ - बोड़सोल से रंगामटिया लौटे।
२ - पोस्ट मास्टर को परिवार समेत वचन सिखाये।
३ - पाद्री लाइन सब को लाने के लिये टाटानगर गये थे।
४ - टाटानगर में रह गये।
५ - गिरजा किया।
६ - टाटानगर से रंगामटिया पहुंचे।
७ - रंगामटिया में रहा।
८ - सिमली पहाड़ दूर में गये।
९ - सिमली पहाड़ में दृढ़पन पानेवालों को शिक्षा दिया।
१० - " " " " " "
११ - दृढ़पन पानेवालों को परीक्षा किया।
१२ - ३२ प्राणियों का दृढ़पन हुआ। और गितिलपिड़ी में प्रभुभोज,
१३ - सरूदा में प्रभु भोज गिरजा किया।
१४ - सरूदा से गितिलपिड़ी लौटे।
१५ - गितिलपिड़ी में पोरिस मिटिंग हुआ सब तरफ से लोग जमा हुए।
१६ - चम्पा में प्रभु भोज गिरजा किया।
१७ - बोदोर गोड़ा जो नये आये हैं उनके पास प्रभु भोज गिरजा किया।
१८ - बोदोर गोड़ा से रंगामटिया लौटे।
१९ - रंगामटिया में प्रभु भोज गिरजा किया।
२० - मरंगडांडी कुन्दर प्रचारक पास गये वहाँ से बोड़सोल गये थे।
२१ - बोड़सोल से रंगामटिया लौटे।
२२ - घर में झाड़ी किया।
२३ - पोस्ट मास्टर के घर गये वचन सिखाये।
२४ - दूर जाने के कपड़ा तैयार किया।
२५ - चोइतीसोल दूर में गये।
२६ - चोइतीसोल प्रभुभोज गिरजा कराये थे।
२७ - पोत्रा खलो जो नया घर खोलते हैं उनके पास गये थे।
२८ - बोड़सोल लौटे।
२९ - बोड़सोल में प्रचारक उमायसिंग की लड़की को शादी दिया।
३० - बोड़सोल ही में रह गये थे।
~~३१~~

(२) महीने की विशेष बात :—

उराँव चरवा कुडु जो चोइनीसोल के प्रचारक हैं, चोइनी सोल मण्डली में गिरजा करने नहीं जाते। इस मसले में पादरी M. Tigga को तो हस्ता के गिरजा चलाने को वहाँ भेजा। और २६ अप्रैल को वहाँ का केस फैसला के लिये मण्डली और प्रचारक कुडु को बुलाये। पर प्रचारक कुडु नहीं गये और अभी भी चोइनी सोल जाने के लिये इन्कार करता है और नहीं जाता है। इस हालत में पादरी M. Tigga के साथ जाकर रमेश्वर बखला को ही तीन अगस्त को चार्ज दे दिये हैं। गुड़ीग्राम चोइनीसोल गाँव छोड़ दे रहा है और पोचा खा ली। कुडु अपने ही में [illegible] चोइनी सोल के लिये प्रचारक का तुरन्त बन्दोबस्त किया जाय।

(३) गिर्जे की हाजिरी :— खृस्तान अखस्तान

१ला एतबार ... ...

२रा ,, ...

३रा ,, ...

४था ,, ...

५वां ,, ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने .... ताः को .... रु: .... न; पैः

.... महीने का तलब और .... रु: .... न पैः

टी० ए० और .... रु .... नः पैः अन्य बाबत पाया।

1

(९) मैंने .... रु .... नः पैः ....

के पास .... ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

रंगामटिया में विशेष घटना यह है कि यहां गिर्जाघर
नहीं है। बड़ी कमरा नहीं है। पादरी डेरा नहीं है
प्रचारक सुन्दर मोहन सिंह को सब प्रकार से
असुविधा है। हम लोग परिवार समेत रहने के
कारण उनको डेरा का बहुत कठिन हो रहा है
हम लोगों को [illegible] देना भी उनके लिये
भारी समस्या है। इस लिये घर का जल्द
बन्दोबस्त हो जाय। कोई किसी के सिर का
बोझा को हल करने के लिये ध्यान दें।

आप का विश्वासी

C H Samad pstr
4/5/64

Rev. C. H. Samad.
G. E. L. Church, Rangamatia,
P. O. RANGAMATIA,
Dist. Mayurbhanj, (Orissa).

To The Director, Rev J. J. P Tiga J. M.B. Chaibasa.

महाशय Date २९-१-६४

आप से नम्र निवेदन ऐसी है कि मेरा बदली १९६३ साल के १ली अप्रेल को सम्भलपुर जिला कुलपाल पेरिस से, मयूरभन्ज और मिदनापुर जिला का सेन्टर रंगामटिया में हुआ हैं, बोर्ड के हुकुम अनुसार सहर्ष अपने बदली स्थान में आये J. M.B. डैरेक्टर बदली का अडर चिट्ठी में लिखे कि घर का बन्दोबस्त हुआ हैं। पर रंगामटिया आ कर देखता हूँ घर का कोई पता नहीं हैं। मैं अपना समान प्रचारक बाबू सुन्दर मोहन सिंग के घर में उतारा और अभी तक वहीं है, मेरा उठना बैठना सोना कड़ा गोहाल में होता हैं। अभी १० महिना हो चुका है तथा साल भी होने का आ रहा है, ऐसी सकेती के कारण अपने बाल बच्चों को कुलपाल ही में छोड़ रखा हूँ। मुझे अकेला ही उठने बैठने का भी असुबिधा होता है तो बाल बच्चे कहां रहेंगे। कब तक हम लोग अलग २ रहेंगें। बोर्ड खुद महसुस कर सकती है कि कदम कदम में परीक्षा है। काई बार मैं घर के बिषय दर्खास्त देता हूँ, पर सुना नहीं जाता। कितना दिन दुसरे के घर में रह सकता हूँ इतना दिन रह चुका पर आगे रहने के लिये गोहाल घर भी नहीं है।

इस लिये बोर्ड के अधिकारियों से नम्र निवेदन वा अर्जी पेश करता हूँ कि मुझ बेचारे को परिवार समेत रहने के लिये डेरा घर शीघ्र बन्दोबस्त कर दे। अगर घर नहीं भी हो सकता है तो एक तम्बू भी दे दिया जाय। जिसमें मैं अपना परिवार रख सकूं तथा पारिवारिक जीवन बिता सकूं।

घर के बिषय चार पान्च दर्खास्त लिख चूका पर सुना नहीं जाता, बोर्ड के अधिकारियों मेरा भरोसा आप ही पर हैं, मुझे लजित होना न पड़े अपने धर्मी होने के कारण मुझे छुड़ा ले, अपना कान मेरी ओर लगा कर मुझे छुड़ा ले। दाऊद गीत ३१:१-२.

आप का सेवक

C. H. Samad. pastor.

Rangamatia senter

Mayurbhanj and Midnapur Zilla.

[illegible]

C.H. Samad. Pastor.
Rangamatia Santal
Mayurbhanj and Midnapur Zillo.

C/O P.P.Vijay,
Kokar Chowk,H.B.Road,Ranchi

4th. February,1964

1. Padri C. H.Samad
2. Candidat M.Topono
3. Pracharak Sundar Muni Singh
4. Abhoy Charan Singh

Pyare bhaiyon,

Ap abhon ko mera Yeshusahay . Main ap logon ke pas Padri ke rahne ke ghar ke bishay men likhna chahta hun. Main abtak yahi socha tha ki Rangamatia men unke rahne ke liye kisi prakar ka bandobasht ho gaya hai, aisa bandobasht jaisa Padri Tuti ke liye tha. Mujhe yahi bataya gaya tha ki koi ek ghar hai jahan Padri ke rhane ke liye intijam ho raha hai. Mujhe Padri Babu se 29 win January ko ek darkhasht mila jismen we ghar ke bishay likhte hain ki unke rahne ke liye koi ghar nahin hai. Rangamatia men Padri ke liye ghar banane ka phaesla kiya gayahai, jamin kharida haya, lakri bhi bahut kuchh kharide gaye hain. Board aur mere taraf se bahut kam ho gaya hai. Ghar banane ke sambandh men age kya kathinain hai ya nahin iske bishay pure report ki awashyakta hai. Rangamatia men hi Padri ke liye ghar banana nischay kar diya gaya hai. Ab jamin ke bishay saf saf report main chahta hun jisten Girja ghar aur Padri ka ghar banane ka arambh kiya ja sake.

Main arji karta hun ki ap log sab milke bartman men Padri aur uske pariwar ke rahne ke liye jaldi ghar ka prabandh kijiye jisten we sapariwar Rangamatia men rah saken tab tak jab tak Mission ka ghar na bane. Main to chahta hun ki isi sal wahan Mission ka ghar ban jay parantu jamin ke bishay sawal hai. Jab tak jamin ke bishay ki bat kanuni dhang se saf na ho tab tak mission ka nij ghar banana kathin hi nahin par asambhaw hai. Main sochta tha ki jamin ki registery ho gayi ab ghar banawenge par isi bich men dusri bat ayi ki wahan ghar banana nahin banega. Ap logonko main arji kar raha hun ki kuchh dinon ke liye bhi, lagbhag ek barash ke liye Padri ke liye ghar khojiye, bhara dena ho taubhi, yadi kisi purane ghar ko kuchh maramat karna ho taubhi. Is halat men apna kuchh hisab bhejiye ki kitna kharch men maramati ya bhara lagega.

Padri Babu khud is bishay men cheshta kare aur baki karmchariyon se is men ray salah lewe aur mujhe likhe taki jaldi Padri ke rahne ka intijam ho sake.

Joint Mission Board ki meeting 14.2.64 ko hogi. Iske pahile main jabab chahta hun.

Age shubh,

BOARD OF MANAGEMENT
OF THE PROPERTIES OF THE G. E. L. CHURCH
HEAD OFFICE : G. E. L. CHURCH, RANCHI.

1 Chairman
Rev. J. J. P. TIGA M. A., B. D; S. T. M.
President, G. E. L. Church, Ranchi.

2 Secretary
Mr. P. D. KANDULNA B. A.
27, Hume Pipe Road,
P. O. Jamshedpur,
Dist. Singhbhum.

3 Treasurer
Mr. P. D. KANDULNA B. A.
27, Hume Pipe Road, Jamshedpur.

Ref. ....

Dated ....

4 Member
Mr. N. E. HORO, B. A.,
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

5 Member
Mr. C. M. HORO
Treasurer,
G. E. L. Church, Ranchi.

6 Member
Mr ELEAZAR LAKRA,
New Garden, Siromtoly
Ranchi.

7 Member
Dr. PATRAS TOPONO,
Lal Siromtoly,
Ranchi.

STAFF.

1 Manager
Mr. P. D. KANDULNA, B. A.,
27, Hume Pipe Road,
P. O. Jamshedpur.

2 Assistant Manager
Mr. NAEMAN TOPPO,
G. E. L. Church
Ranchi.

3 Tahsildar
Mr DANIEL EKKA,
G. E. L. Church,
Ranchi.

4th. Feb. 1964

The Rev. C.H. Samad,
G.E.L. Church, Rangamatia,
Via Baripada, Dt. Mayurbhanj.

Manyawar Padri C.H. Samad,

Ap ko mera Yishusahaya. Main is bar safar se parshon bihan ko sakushal laut aya hun. Abhi kal tak Theological College men parhaunga tab fir safar men nikal jaunga. Is bar Dr. Berg ki jo batchit ap sabhon ke sath huwi isse main ashra karta hun ki karmchariyon ko susamachar sunane ke liye aguwai aur sahayta mili hogi.

(1) Joint Mission Board ki meeting 14.2.64 ko hogi. Us meeting men bahut si baton ka bichar honewala hai. Us ke liye main arji karta hun ki Rangamatia ke jamin ke bishay pura pura report dijiye. Bishesh karke nimin baton men khabar jarur dijiye :

1. Jamin ka naksha (lambai chaura ityadi nap kar)
2. Jamin ke purab, paschim. uttar, dakhin men kya hai aur kiska hai, safs saf dikhana chahiye.
3. Government (Sarkar) ka abhi kya bichar ya yojna hai ? Is yojna men kitne dur tak Sarkar ka kam huwa hai ?
4. Sarkar ke jojna men hamre jamin par kya garbar huwa hai ?
5. Yadi koi hamre jamin se badli kxxx karne wala hai to wah <u>kaun hai</u>, <u>kahan</u> jamin dene chahta hai aur jamin aur <u>kaisi</u> jamin hai ?
6. Jamin ko badli kar e ke sambandh men Pracharak Sundar Mani Singh ka kya bichar hai.

(2) Pracharak Anand Masih Topono ka talab :
Pr. A.M. Topono yahana aye huwe hain. Usne bataya ki ap ne uska December mahine ka talab rakh liye hai. Yadi uski bat sacci kx hai to main ap se arji karta hun ki turant de dijiye aur dene ka report mujhko dijiye. Kisi ka talab rokne ka adhikar ap ko nahin hai. Main ne talab ka bill pass kar diya, talab bhej diya gaya, tab usko rukna nahin hai. Talab ko rokna, band karna ya uspar ghati karna ap ka kam nahin hai. Ap Pracharak ke kam ke bishay bhala bura report bhej kar meti sahayta kar sakte hain jiske liye main bahut dhanyabadi hunga. Par pass kiya kxxx huwa aur bheja huwa talab ap rok nahin sakte hain. Iske alawe ap ne iske bishay mujhe kuchh bhi nahin likha hai. Jadi ap ne talab ko roka hai to jaldi de dijiye aur dene ka khabar mujhe dijiye. Karan ho sakta hai par yad rahe ki kisi bhi karan se bhej kxxx talab roka nahin ja sakta hia.

Ap ka Bishwasht,

dusri Bat Bengal me Bina
Bhara hi ghar dene chahte
hai. Jis ghar me ham log
dera kiye the. So Mahasay
kahin bhi dera ka Turant
Bandobast kiya jai.
ham ko rahne ke liye
Bahut hi katin ho raha
hai. Agar ghar nahi
mile to my Bengal hi
me rah jaunga. ~~Kuy~~ keyong-
ki kam bhi udhar bahut jada
hota hai. Ap Bengal ka
Program me nahi Aye Abhi Tak
mujhe koi khat nahi diye.
kiya karan huwa. ham
log bahut Achha kam
samhale

Pochakhali Ak gaum me
panch prani Baptesma liye. uske
Bad Bihar ~~k~~ Kundia me dharm mela
huwa rat bhar gan bhajan huwa
rat bhar gaum ke log jama
huwe the. our Bahut Achha
Prachar huwa.
ghar ka Turant Bandobast hona
chahiye ki my pariwar samet
rah sakung.
Ranchi sixa class ka T.A. Bhejne
ki kripa korenge.

Ap ka Biswast
Sukh
[signature] pastor
Rangamatia
16/12/63

Date 16-12-63
Rangamati.

Dear Rev

J.J.P Tiga Director.

Ap ko namaste or sezesusahay.

Age Ap ko janate hai ki Jasipur me Bhara ghar mila hai. ghar Bhara 7/-) rs hai. So Ap uske Bisay keya phaisla dete hai so Turant khabar diyiye. Jannwari se rahne ke liye bat chit hoda hai. dusri Bat Ap ko jana dena hi Achha samajhta hun. ki Jasipur ke log wahan senter Banane nahi chahte hai. Lekin ham logong ke kam ke khayal se wahan hi senter hota hai.

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

To
Director,
Rev J.J.P. Tiga
G.E.L Church Chaibasa
P.O. Chaibasa
Dist. Singhbhum,
(Bihar)

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address:-

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

DELY
18-12-63
1 PM

यहां काटकर खोलिये To open cut here

पहला मोड़ First fold — दूसरा मोड़ Second fold — तीसरा मोड़ Third fold

Chulibhanga
D. 20/12/68.

महाशय
Dairector: J.J.P. Tiga

आपको प्रीतिसिदाम। आगे हम दोनों पुलिश का तुलना के साथ हम दोनों इधरउधर घुमते हैं। जब हम दोनों दौवते हैं कि अधिकतर सन्ताली सब हैं उनके तुलना में भी और मेरे यहां भी। व सब मिशन में आने को तो त्यार हैं। पर सबुत देखना चहते हैं। एक जने सन्ताली ने तो एकदम मन त्यार किया है। पर वही सबुत मंगते हैं। कि हमारे जात सब मिशन में गये हैं कि नहीं। सो हम दोनों कि राय है कि आप हम दोनों को मदत और सबुत के लिये बंगाल का मलके पुछा कि सन्ताली को हम दोनों के साथ दो छुट्टी रहने के लिये अनुमती दिजीए।

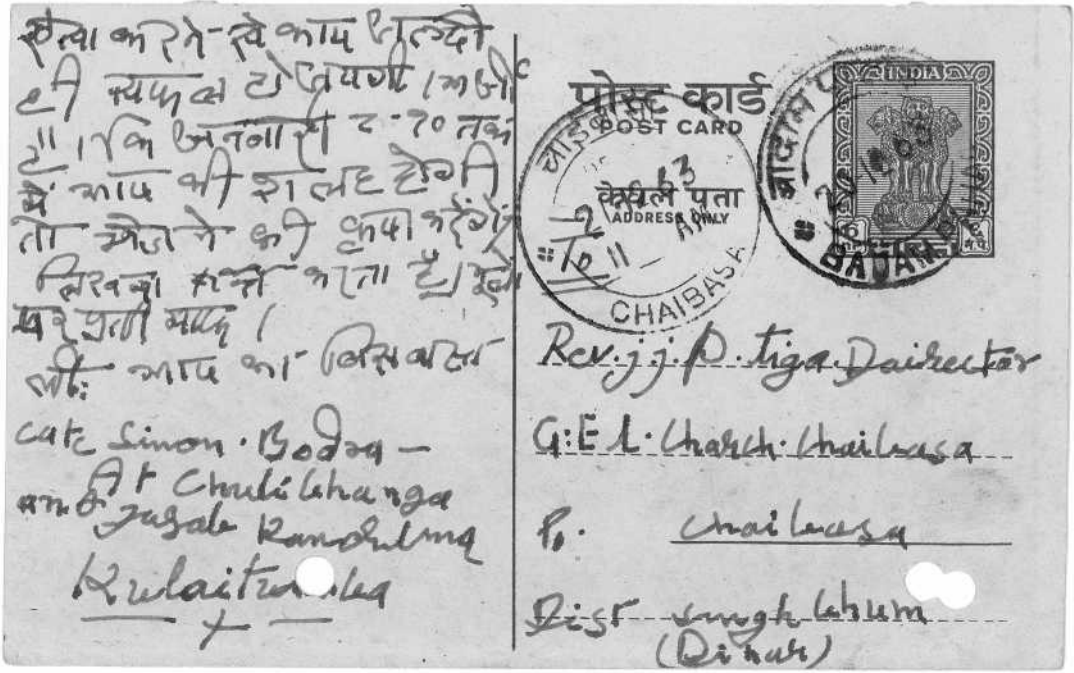

सेवा करने से काम जल्दी
ही सफल हो जायगी। अभी
है। कि आना है २-१० तक
में आप भी इसमें होंगे
तो भेजने की कृपा करेंगे।
लिखना कम करता हूँ। दुबारा
करें प्रभु सहाय।
आप का विश्वासी
ले:

Cate Simon · Bodra —
At Chulibhanga
and Jagda Ramdulma
Kulaitanda
— + —

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA

CHAIBASA
2 Fe 11 AM 63

BAJAN...

Rev. J. J. P. Tiga. Dairector
G. E. L. Church. Chaibasa
P.o. Chaibasa
Dist Singhbhum
(Bihar)

ता: १८-११-६३

महामान्यवर
जुरेन्द्र रेंस जे: जे: पो तिग्गा

आप को मेरे ओर से योशु सहाय

महाशय

आप को जनाता हुं कि मैं अपना बदली स्थान ता: १६-११-६३ को पहुँच गया हुं। और काम में जोइन किया हुँ। जसीपुर १५ तारिख को पहुँचे और दो राति वहाँ ठहरे और १७-११-६३ को पादरी रेंस सो एछु समाद से भेंट हुआ और साथ ही पादरी के साथ कुकुर मुआ पहुँ चले गये दो रात में कुकुर मुआ पहुँचे। साथ में पादरी का प्रोग्राम भी था, और समुआ सिमलो पहाड़ का टूर पादरी के साथ किया और अपना स्थान गिलित पिड़ी तथा कुकुर मुआ मण्डली के भाई बहनों के हाथ में जिमा कर दिया। हम लोगों को रस्ता में जो तकलीफ मिला सो तो मिला पर कुशल पूर्बक से अपना स्थान को पहुँचे। ईस्वर हम लोगों के साथ रहे। और अपना काम में आशीष देवे।

आप का बिस्वस्त आनन्द मसीह तोपनो
प्रचारक
सिमलो पहाड़।
कुकुर मुआ गाँव।

Rev J.J.P. Tiga Ap ko Malum howe ki Cat. A. Toppo. mere Arcia me kam join kiya my ne unko Apna kam sthan Tak pahucha diya aur Gilitpiri Mandly ke Bhai Bahanon ke Hath me jima diya. Ap ka Biswast C. J. Samad Pastor
Rangamatia 19/11/63

To
The Director
J.J.P. Tiga.
G.E.L. Church Chaibassa.
P. O. Chaibassa.
Dist Singhbhum.
(Bihar)

	B.	Dr	Sh. Sman	Durga Dhemlor
Similipahar	231	126	×	×
8 Rangamatia + Baripada (4)	19/	9/	5	1
9 Jashipur	28	13	6 9	—	—
Bamiahara	14/	7/	8 —	—
Balikhara in Similipahar	15	10	8 —	—
Sunamandini Rly Stn + mines	13/	3	—	—
Katopitha (mines area)	5	2/		
Amlapani Rly Stn	4/	2		
Kuldiha Rly Stn + Jaipur	6 / 4 / 10	3 / 1 / 3		
Kashinapur Rly Stn				
~~Jaipur~~ Badampahar Rly Stn	14/	10		
	361	188	5	1

Midnapur

Report in English already given

शिमली पहाड़ मंडली
मयुरभाज उड़ीसा

प्रचारक :- युसफ कन्डुला सारदा

पो० ओ० जसीपुर : उड़ीसा मयुरभाज

शिमली पहाड़ में 4 मंडली हैं यहां तीन जगह स्थित
सारदा, दुडुकचम्पा, गितीलपीड़ी ये तीन मंडली पुरानी
मंडली है और चौथा कुदागुडु यह नयी मंडली है
ये मंडली बहुत जंगल स्थान में है यहां का देखरेख
कहीं दूसरा जगह से ठीक नहीं होता है। यह मंडली
पहले सिंहभूम जिला के द्वारा देखरेख किया जाता था
पर बहुत दूर, जंगली स्थान होने के कारण पादरी
या प्रचारकों का जाना या यहां रहना कठिन होता था और
आने जाने के लिये भी कोई सुविधा नही है। इसलिये
मंडली अच्छी तरह नहीं चलायी जाती थी। पर एक समय
मिशनरी साहब बरेता अचानक से वहां गये। और
वहां के ख्रिस्तान भाईयों की गिरी हलात को देखकर
मुझ को वहां का प्रचारक ठहरा दिया और कुछ दिन
के लिये कोड़ियाना बाबु हरदुगान डुडी को भेजे थे।
और अभी तक वही पादरी होकर सेवकाई का काम
उसी की ओर से होता है। तीन जगहों में गिरजाघर है
कुदागुडु में नही है। मैं महीना में हरएक जगह एकर
बार जाता हूं गिरजा के लिये बाकी समय में मानोनारारी।
प्रचारकों से काम चलाया जाता है और इन ~~मं~~ मंडलियों
में साल बा साल, नये मसीही बनते जाते है इन साल
छः जन बालकों को बपतिस्मा दिलायें कुई जगह पहाड़ी जगह है
इन साल लोगों के धर्म खोज कर भी रहे हैं
इधर उधर से दूर होने के कारण ठीक से जैसा
चाहिये वैसा आत्मीक सेवकाई नही होती है

युसफ कन्डुलना
शिमली पहाड़ सारदा मंडली
मयुरभाज

Families

14 - 1 Sitilpur — (B 61 Dr 37) — volunteers
village

12 - 2 Saranda — (B 68 Dr 36) "
2 villages

9 - 3 Dudmichampa — (B 41 Dr 21) "
2 villages including Banarbasa

9 - 4 Srinathpur — (B 36 Dr 19) " 4 families
1 village

4 - 5 Kudagutu ~~village~~ — (B 16 Dr 7) — now stopped —
Joseph
He left + went to Saranda — his own home.

Saranda 1½ miles distance

Partly they 80 — Srinathpur + Sitilpur — for church —
+ others

3 - 6 Molkabani — ~~volunteer~~ — (B 9 Dr 6)

There are S.P.G. as well as Lutheran

Bap 231 Dr 126

Bariyanbasa — 1 family — S.P.G. — other now

Rangamatia.
Date 11-6-63.

To

The

R. J. P. Tiga Director J. M. B.
Chaibasa.

महाशय

आप को जनाया जाता है कि मेरे रहने घर के लिये क्या बन्दोबस्त हो सकता हैं, गिरजाखाना के लिये और मेरे रहने के लिये बहुत तकलीफ हैं।

साल साल में गर्मी के कारण मेरा शरीर दुर्बल हो जाता हैं गर्मी सहाव से बहर हैं जिस कारण आँखों में कुछ कमजोर सा मालूम पड़ता हैं। इस लिये मेरा आर्जी है कि अगर घर का ठीक बन्दोबस्त नहीं होता हैं तो जहीं भी रह कर कोई हालत से सेवा का काम करूँगा।

तबियात कमजोर होने से काम सफलता नहीं होता हैं जो धर्म खोजक बपतिस्मा पाया हैं गिरजा आना जाना अब ठीक हैं समय समय ~~पर~~ उनको वचन भी सिखाते हैं। जमीपुर से मोंड़पा करीब 14-15 मिल दूरी हैं वहां ~~रहा~~ गाँव में एक ही घराना धर्म में आने चाहते हैं हम लोग जुसफ प्रचारक प्रचारीन के साथ गये थे। लेकिन घर मालिक ~~मोड़ी~~ नहीं मुलाकत होने सके फिर जाने का कोशिश करते हैं।

मैं मेदनीपुर भी गया था, वहाँ थोड़े दिन में और एक नया धर्म खोजक का बपतिस्मा होगी। उमय सिंह को सिखाने का भार दिया हूँ जब तैयार करेंगे तब बपतिस्मा देगें।

महाशय घर के विषय जरूर ध्यान दीजिये।

आप का विश्वासी।

R. H. Samad, Pastor.
Rangamatia.

11/7/63.

Dear Raj   Rangamatia

J. Tiga. Director
J.M.B.

M.P. Tiwari

Ap ko mera yesusahay.
Age Ap ko janate hai
Ki Borshol Ane ke samay
hi mera Baki saman laye
gaya. us samay olo jan
nahi Aye. kewal mera
our saman ka bill diya
gaya hai. pahli bar Ane
ka karan yahi raha ki
saman ko kisi jagah rakh
kar kahi Hotel me Ana jana
nahi banta es liya pahli bar
lear olo jan Aya. jis samay
my Jagnathpur se Barwa
Transfer gaya Tha. Jim Jan

Gaye The. Rev J. Soy our
my our Ak Kooly.
Jayada saman ke karan
do jan arthat my our
Ak cooly sath me laye
mere rahne ke Bisay
khud Ap Akar dekh
lijiye kaisa dasa me
Ap mujhe [illegible] diye
hai. Baripada me bhara
ghar ka intijar ho raha
hai lekin Abhi nahi mila
hai. Apka Stdt. H. Sanad.

पोस्ट
POST
साथ का
THE ANNEXED CARD
केवल
ADD

BARIPADA

POSTAGE
INDIA
1
POSTAGE

POSTAGE
INDIA

To

The Rev J. J. P. Jiu.
G.E.L. CHURCH Chaibasa.
P. O. Chaibasa.
Dist Singhbhum
(Bihar)

Rangamatia
11-12-62.

Dear Sir,

~~M Bhau~~

आप को मेरा प्यार यीशु सहाय। पत्र लिखने का अभिप्राय यह है कि इस बार जब मैं चाईबासा गया था। आप ने मुझ को मेरे Transfer के विषय में बताये। इसके विषय में मैं आप को यह कहा था कि दो वर्ष तक और यहां रहने दीजिये। जिस रोज मैं वहां से लौट रहा था। उस रोज भी इस विषय पर मैं आप से बात चीत किया था। ~~इस के~~ मेरे Transfer के लिये आप दुःख प्रकट मत कीजिये। मैं सहर्ष आप की सलह को स्वीकार करता हूं। आप जैसा विचार करते है उसमें मेरी ओर से कोई रुकावट की बातें नहीं है। मैं इतना ही आप से अर्जी करता हूँ कि फरवरी महीने के पहले Transfer Order मत दीजिये। उसके तुरन्त बाद दीजिये। दूसरी बात यह है कि मैं अगस्त सेप्तेम्बर और नोवेम्बर का रिपोर्ट केवल फोर्म में भर कर भेजता हूं। ओकटोबर का रिपोर्ट ~~पहले~~ चाईबासा जाने के पहले लिख भेजा हूं। जून और जुलाई का रिपोर्ट मैं सादा कागज में लिख भेजा था। कृपा कर इस के लिये आप

मुझे माफ कीजिये। आइन्दे बराबर फोर्म ही कर
लिख कर भेजूंगा।

तीसरी बात यह है कि ~~बिल~~ जो Bill भेज रहा
हूँ सो कृपा कर ग्रहण कीजिये और जहां तक हो सके
जल्द रुपया भेजियेगा। आज दो Bill भेजता हूँ
एक वह जो जमीन खरीदने में मेरा ७२ रु ३२ नये पैसे
खर्च हुआ है। ~~यह रुपया~~ दूसरा Bill cycle parts
खरीदने के सम्बन्ध का है। अक्टोबर ~~महीने~~ महीने
का रिपोर्ट के साथ पहले एक T.A. Bill भेजा हूँ उसका
और ये दोनों Bill रु० एक साथ भेजियेगा। इतना ही
लिखकर खत्म करता हूँ।

लि० आप का विश्वस्त
H. Tuti

Rangamatia
5-1-63

~~H. Bhaug~~ 14/1/63

मान्यवर,

डौरेक्टर साहब आप को मेरा प्यार यीशु सहाय। पत्र लिखने का विशेष अभिप्राय: यह है कि रंगामाटिया में सोयन और दुलारी इन दोनों की शादी १३-२-६३ को १० बजे दिन बुधवार को होगी। मैं इस शादी के द्वारा आशा रखता हूं कि प्रभु के लिये एक बड़ा साक्षी का काम होगा। इसके लिये मैं ही पूरा प्रबन्ध कर रहा हूँ। गांव भर के और रंगामाटिया के आस पास के गावों से मसीही शादी देखने के लिये लोग काफी संख्या में आयेंगे। मेरे एरिया में जितने लोग हैं हमारे मसीही भाई बहन हैं, सभी जगह से आने वाले हैं। आप से मेरी नम्र निवेदन है कि आप मां के साथ जरूर १२-२-६३ को शाम, चाहे १३-२-६३ को ८ बजे के पहिले जरूर आइये। कृपा कर Rev. J. Soy को इस बात मेरी सहायता के निमित्त अवश्य भेजियेगा। अन्त में लिखने ~~कि~~ की विशेष बात यह रह गई कि जो T.A Bill मैं भेजता हूं और पहिले भी भेजा हूँ

जल्द भेजने की कृपा कीजियेगा। आप का रुपया इस समय बहुत जल्द लौटाने नहीं सकूंगा। A. Bill मिलने से और फरवरी महिने का तलब पाने से तुरन्त आप का पैसा लौटा दूंगा। अभी मेरे लिये रुपया का बहुत दरकार हो गया है। बिते महिने का तलब केवल मुझको मिला है। आप तो मुझ को यह बोले थे कि टेबुल, कुर्सी का बिल पास किया हूं और भेज दिया हूँ पर अब तक नहीं मिला है। तलब तो पा लिया। मैं आप केआने की आशा में रहूंगा। इतना ही लिख कर अन्त करता हूँ।

लि. आप का विश्वस्त

H. Tuti

महामान्यवर,

Rev. J. J. P. Tiga Joint Mission Board
Director Chaibassa.

आपको यीशु सहाय।

महाशय, निवेदन यह है कि मुझे एक हरमोनियम बोर्ड से खरीद कर दिया जाय। जिसका दाम जनवरी १९६३ ई. से महिना १०) के हिसाब से मेरे तलब से काटा जाय। जिस को मैं प्रचार के काम में ला सकें और उस के द्वारा प्रभु की मंडली को बढ़ाने सकें। इसलिये आप मेरी दीन अर्जी को कृपया ग्रहण करें। इस के प्रति आप को हार्दिक धन्यवाद दिया करेंगे।

26-11-62

आप के विश्वासी सेवक,
प्रचारक - युसफ कन्डुलना,
सरन्दा,
जिला - मयुरभांज।

M B Roy

Rangamatia
3-7-61

Dear Sir,

आप को मेरा प्यार यीशु सहाय।

पत्र लिखने का अभिप्राय यह है कि आप के रंगामा-
टिया नहीं आ सकने का कारण और आगे कब
आयंगे चिट्ठी द्वारा जल्द खबर दीजिये। उस
समय आप की आसा में दूर दूर स्थानों से हमारे
भाई लोग आये थे। हमारे भाई लोग और संसार
लोग भी बराबर मुंह से यही कहते हैं कि
आप लोगों का साहिब कब आयंगे।
दूसरी बात यह है कि मैं बहुत ही अंधकार जगह में
हूं। मेरे साथ बहुत ही थोड़े लोग हैं। उन से मैं वचन
प्रचार के काम में सहायता नहीं पाता हूं। अतएव
मैं आप से अनुरोध करता हूं कि कृपा कर एक
सहायक प्रचारक मेरे साथ काम करने के लिये दीजिये।
तीसरी बात यह है कि आने वाला साल ~~मुझ को~~ मेरा घर
जरूर ही बन जावे। इतना ही लिख कर अन्त करता
हूं।